मीठी नदी के नीचे मेट्रो टनल को सफल बना रही एक निडर महिला

दुनिया ने माना लोहा

मुंबई मेट्रो रेल कार्पोरेशन की प्रोजेक्ट रेजीडेंट इंजीनियर एनी सिन्हा रॉय ने मुंबई की मीठी नदी के नीचे मुंबई मेट्रो के लिए 190 मीटर लंबी सुरंग तैयार कर डाली है। किसी नदी के नीचे से गुजरनेवाली यह देश की दूसरी मेट्रो सुरंग है। आज दुनिया एनी का लोहा मान रही है। इस उपलब्धि की चर्चा आज सभी की जुबान पर है।

दबंग रिपोर्टर » मुंबई

जमीन से करीब 22 मीटर नीचे, ऊपर लंबी चौड़ी नदी, 40 डिग्री तापमान में दिन-रात काम, अनेक संभावित खतरों के बीच यह काम कतई आसान नहीं होता। वह भी तब जब आप पर पूरी टीम का नेतृत्व करने का जिम्मा भी हो। हर छोटी-बड़ी गतिविधि और चुनौतीपूर्ण निर्णय आप पर निर्भर हों, लेकिन इन्हीं चुनौतियों और खतरों से जूझते हुए एनी सिन्हा रॉय ने मुंबई की मीठी नदी के नीचे मुंबई मेट्रो के लिए 190 मीटर लंबी सुरंग तैयार कर डाली है। किसी नदी के नीचे से गुजरनेवाली यह देश की दूसरी मेट्रो सुरंग है। पहली वर्षों पहले कोलकाता में गंगा नदी के किनारे बनाई गई थी।

2007 में दिल्ली पहुंचीं तो उन दिनों बुद्धा गार्डन क्षेत्र में बन रही भूमिगत मेट्रो लाइन की सुरंग में उनके पहले जर्मन बॉस मिस्टर हॉल ने उन्हें टनल बोरिंग मशीन पर काम करने भेज दिया। वहां मौजूद पुरुष स्टॉफ ने मिस्टर हॉल से कहा भी कि 'सर यह तो लड़की है', लेकिन मिस्टर हॉल ने किसी की परवाह किए बिना उन्हें समझा दिया कि वह सिर्फ इंजीनियर हैं।

भूमिगत सुरंगें तैयार करना चुनौती भरा काम

एनी ने कहा, मेट्रो की भूमिगत सुरंगें तैयार करना एक चुनौती भरा काम होता है। 22-23 मीटर नीचे ये सुरंगें गुजरती हैं। मुंबई में तो यह काम और मुश्किल हो जाता है क्योंकि इमारतें जितनी ऊंची होती हैं, उसी अनुपात में उनकी बुनियाद तैयार की जाती है।

नदी के नीचे लक्ष्य साधना आसान नहीं

तीन तरफ समुद्र से घिरे मुंबई महानगर में एक नदी के नीचे यह लक्ष्य साधना आसान नहीं था, लेकिन मुंबई मेट्रो रेल कार्पोरेशन की प्रोजेक्ट रेजीडेंट इंजीनियर एनी सिन्हा रॉय तो आसान लक्ष्यों की आदी भी नहीं रही हैं। नागपुर विश्वविद्यालय से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री लेकर महज 23 वर्ष की आयु में जब वह अपनी पहली नौकरी करने

बड़ी उपलब्धि

टनल इंजीनियरिंग में एनी का लोहा दुनिया मान रही है। इसके लिए उन्हें 2018 में 'इंजीनियर ऑफ द इयर' का सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। एनी की जिंदगी में चुनौतियां हर कदम पर पेश आईं। पारिवारिक जीवन में भी कम चुनौती नहीं रही है। कोलकाता के सामान्य परिवार की सदस्य एनी एम.टेक करके प्रोफेसर बनना चाहती थीं।

आसान नहीं था सफर

सफर आसान नहीं था। दिल्ली के पहले काम के दौरान कुछ पुरुष सहकर्मियों ने सहानुभूतिवश उन्हें फील्डवर्क से अलग रखने की सिफारिश हॉल से की। आगे भी कहीं सहानुभूतिवश तो कहीं प्रतियोगिता से दूर रखने की नीयत से उन्हें फील्ड से दूर रखने की कोशिश की जाती रही।